**सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 1 नियम 1 के अधीन आवेदन पत्र;**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

अति सम्मान पूर्वक प्रदर्शित करता है

1. यह कि आवेदक / वादी ने वाद सम्पत्ति से बेदखली के लिए प्रतिवादी के विरुद्द वर्तमान वाद दाखिल किया है।
2. यह कि आवेदक / वादी को इस बात की जानकारी हो गयी है कि प्रतिवादी ने एक रजिस्ट्रीकृत विलेख के अधीन.................. को वाद सम्पत्ति के अधीन पट्टा धृति अधिकारों का समनुदेशन किया है।
3. यह कि न्याय के उद्देश्य में तथा मामले के इस समुचित न्यायनिर्णयन के लिए समीचीन है कि समनुदेशिती वाद के पक्षकार को प्रस्तुत किया जाय तथा प्रतिवादी सं0 2 के रूप में अभियोजित किया।

**प्रार्थना**

यह अति सादरपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि समनुदेशिती को प्रतिवादी सं0 2 के रूप में जोड़े जाने का आदेश किया जाय। यह तदानुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान.......**

**तारीख.......**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

मैं...............निवासी............... निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञान एवम् घोषणा करता हूं

1. यह कि मैं इस मामले में............... हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने के लिए सक्षम हूँ।
2. साथ में दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**सत्यापन**

..........में इस तारीख........... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता** .